

यायालय भूमि सुधार उप-समा ह्ता, हुसैनाबाद पलामू

अवेदक सिंह ---- आवेदक

अनुसूची १४ फारम सं. ५६२

आदेश-पत्रक

बनाम्

(देखें अभिलेख हस्तक १६४१ का नियम १२६)

चन्द्रशेखर उपाध्याय वगैरह-प्रति-
वादीगण

आदेश पत्रक तारीख से तक

जिला एल.सी.वाद सं० ०७ सन् २०१२

केश का प्रकार एल.सी.वाद १६४३४ के अन्तर्गत

आदेश की क्रम सं. और तारीख १	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २	आदेश पर की गई कार्यवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित ३
-----------------------------------	-------------------------------------	--

30/8/2012

आवेदक अवधेश सिंह वलदस्व० देवकी सिंह

20.12.17

ग्राम पचपोखरी पोस्ट मुंगिया थाना टण्डवा जिला
औरंगाबाद राज्य बिहार के द्वारा निबंधित विक्रय
पत्र संख्या-731 दिनांक 8-6-2012 के खरीदगी के
प्रति एल.सी.स्कट की धारा 16४३४ के अन्तर्गत
विक्रय पत्र के सच्ची प्रतिलिपि एवं विक्रय मूल्य -
राशि 1,25,000४ एक लाख पच्चीस हजार४ रुपये
एवं विक्रय मूल्य राशि का दस प्रतिशत 12,500/-
४बारह हजार पाँच सौ४ रुपये जिला कोषागार
मेदिनीनगर में जमा राशि का चलान के साथ एल.
सी.आवेदन दाखिल किया गया है।

13/1/18

21.02.18

28/3/18

27.07.18

01.09.18

आवेदक के आवेदन पत्र एवं उनके विद्वान अधि-
वक्ता को सुना।

एल.सी.आवेदन को सुनवाई हेतु अंगिकृत किया
जाता है, प्रतिवादी को सूचना निर्गत करें तथा इस
एल.सी.वाद के निस्तार तक आवेदक को एल.सी.
वाद के भूमि के उपर दखल कब्जा उद्घोषित किया
जाता है।

अभिलेख दिनांक --- 14/9/12 --- को रखें।

भूमि सुधार उप-समा ह्ता,
हुसैनाबाद।

14/9/12

प्रतिपक्षी ५६४३४ चक्र नकाल तजामा के लिये

कि 1918
आगत 1918

कि 1918
आगत 1918

27.07.18 आवेदक की ओर से अवधेश सिंह उपस्थित / प्रतिपक्षी की ओर से शमदा कुमार उपस्थित / उपस्थित / अगली तिथि 01.09.18 को निर्धारित।

भू. सु. उप सर्ग.

01.09.18 आवेदक की ओर से अवधेश सिंह उपस्थित / डिमिष पक्ष के द्वारा विचार से हमारी दी गई।
उभय पक्ष के विचार अधिवक्ता को देना।
आदेशार्थ दिनांक 12/09/18 को रखें।

31.80.85

11/09/18

31.80.10

31.80.20

8/10/18

21/10/18

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<u>Order</u> The instant case has been filed by the pre-emptor Awadhesh Singh. According to the applicant he is co. sharer/ Raiyat of the adjoining the land of Raiyat namely Ram Bachan Singh s/o Late Lal Keshwar Singh, resident of Village Sabana, P.S. Mussainabad. The transfer of land (through sale deed) 0.32½ acre land under khata - 84, plot - 925, 0.7½ acre land under plot - 940, 0.06½ acre land under plot - 926, 0.08 acre land under plot 938, 0.10½ acre land under plot - 938, total 32½ acre land ^{to} Chandra-Shekhar Upadhaya @ Gopalji and others who is neither co. sharers nor adjoining Raiyat through sale deed	

आदेश की क्र० सं०
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की गई
कारवाई के बारे में
टिप्पणी तारीख सहित

✓ 1

2

3

8.06.2012.
Applicant further says that he is co-sharer and adjoining Raiyat of the Transferee Raiyat of the said land. The said land Awadhes Singh purchased in the name of own son namely Ravindra Singh. His son, Ravindra Singh is the member of the joint family and the said land in question is situated in northern ~~side of~~. The pre-emptor is co-sharer and adjoining Raiyat over the vendied plot and the opposite party no. 1 to 4 illegall executed a gift deed in favour of Pushpa Devi, Asha Devi and Usha Devi for the purpose of defeating the claim of the pre-emption. Hence the preemption

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
3 1	2	3
	in favour of 1st party. 2nd party submitted written statement and put his arguments orally. According to the second party the applicant is neither co. sharer nor the adjacent Raiyat of the land ^{land} vended plot as such. O.P. 1 to 4 has purchased the land by registered Sale-deed no. 738/731 on 8.06.2012 from Ram Bachan Singh son of late Keshwar Singh against which instant pre-emption petition has been filed by the first party. Moreover the O.P. 1 to 4 before initiation of this case has transferred their ownership in favour of Pushpa Devi and others. by means of registered ^{registered} sale deed on 13.7.2012.	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
4 1	2	3

As a matter of fact the pre-emptor is not boundary Raiyat. and also not co-sharer.

OP further says that pre-emption is weak right which can not be considered to be bonafide. Hence this pre-emption petition may be rejected.

Heard the both the parties and ~~perused~~ perused the documents and W/s filed the both the parties. After ~~personal~~ ^{perusal} of the sale deed, ^{I found} the land in question is agriculture land.

According to the Act there is two condition for pre-emption right -

(a) The claimant must be an adjoining raiyat

(b) Application for pre-emption is made within

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
5 1	2	3
	three months from the date of registration. In my opinion the applicant has fulfilled the above conditions and second party ^{has} executed a sale ^{gift} deed to defeat the provisions of the act. Further there is always presumption of jointness as said in cwc 3081/2014 by Hon'ble Patna High Court. In the light of the above discussion this pre-emption petition is allowed. 12/09/18	